सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार

प्रेस विज्ञप्ति

संख्या– **114**
11/02/2018

लोहिया जी के विचारों और वक्तव्यों का संकलन कर उनके जीवन पर फिल्म का निर्माण किया जाना चाहिए :– मुख्यमंत्री

पटना, 11 फरवरी, 2018 :– डॉ0 राम मनोहर लोहिया की स्मृति में आई0टी0एम0 यूनिवर्सिटी ग्वालियर में आयोजित चतुर्थ व्याख्यान में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार शामिल हुये।

मुख्यमंत्री ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि बिहार में गांधीजी के चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आजादी के बाद डॉ0 राम मनोहर लोहिया ने विपक्ष को गोलबंद किया था। गोवा को भी उन्होंने पुर्तगाल से आजाद कराने में अग्रणी भूमिका निभाई थी। जब वे कांग्रेस पार्टी से अलग हुए और उन्होंने विपक्ष को गोलबंद करने की कोशिश की, उस समय केरल को छोड़कर पूरे देश में सिर्फ एक ही पार्टी का केंद्र में शासन था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लोकसभा में जाने तक कभी अविश्वास प्रस्ताव नहीं आया लेकिन उनके आने पर संसद में पहली बार केंद्र सरकार के प्रति विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ। वे सप्तक्रांति के पक्षधर थे। उन्होंने रंग भेद, जातिभेद, ऊँच–नीच एवं अन्य तरह के भेदों के खिलाफ आंदोलन की शुरूआत की। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भी जब 7 जून 1974 को आंदोलन का नेतृत्व किया तो उन्होंने सम्पूर्ण क्रांति की बात कही थी। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण क्रांति वही है जो लोहिया जी की सप्तक्रांति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोहिया जी के विचारों और वक्तव्यों का संकलन कर उनके जीवन पर फिल्म का निर्माण किया जाना चाहिए ताकि युवा उनसे प्रेरणा ले सके।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, हरियाणा के राज्यपाल प्रो0 कप्तान सिंह सोलंकी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिह तोमर, मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया, सांसद श्री डी0पी0 त्रिपाठी, सांसद श्रीमती माया सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******